भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2858
06.08.2025 को उत्तर देने के लिए

घरेलू आय सर्वेक्षण 2026

2858. श्री गौरव गोगोईः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2026 में प्रस्तावित आगामी घरेलू आय सर्वेक्षण के लिए नमूनाकरण रूपरेखा और कार्यप्रणाली को अंतिम रूप दे दिया है और यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है;
(ख) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं कि सर्वेक्षण भारत के सामाजिक-आर्थिक, क्षेत्रीय, जातिगत और व्यावसायिक समूहों, विशेष रूप से अनौपचारिक श्रमिकों, सीमांत किसानों, आदिवासी समुदायों और महिला-प्रधान परिवारों में आय के स्रोतों की विविधता को दर्शाए;
(ग) क्या सर्वेक्षण कार्यप्रणाली को पहले विशेषज्ञों और हितधारकों की समीक्षा के लिए सार्वजनिक रूप से जारी किया जाएगा और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) सरकार अतीत में अनौपचारिक क्षेत्र में आय की कम रिपोर्टिंग किए जाने की समस्या को किस प्रकार हल करने की योजना बना रही है और आँकड़ों की सटीकता में सुधार के लिए कौन से उपकरण या सुरक्षा उपाय शुरू किए जा रहे हैं; और
(ङ) क्या सर्वेक्षण के परिणामों को क्षेत्र, जाति, लिंग और व्यवसाय के आधार पर विभाजित किया जाएगा ताकि असमानता और पुनर्वितरण के संबंध में साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण संभव हो सके और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क) से (ङ): राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (सां.और कार्य.कार्या.मंत्रा.) ने वर्ष 2026 में घरेलू आय सर्वेक्षण पर एक सर्वेक्षण आयोजित करने की योजना बनाई है। अवधारणाओं और परिभाषाओं को अंतिम रूप देने, सर्वेक्षण विधि और उपकरणों की तैयारी करने, प्रतिदर्श डिजाइन, दुनिया भर में अपनाई गई सर्वोत्तम देशज पद्धतियों का विश्लेषण करने संबंधी आकलन विधि पर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए, डॉ. सुरजीत एस. भल्ला, भारत के पूर्व कार्यकारी निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अध्यक्षता में एक तकनीकी विशेषज्ञ समूह (टीईजी) का गठन किया गया । इस टीईजी में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और प्रोफेसर शामिल हैं। टीईजी के विचारार्थ-विषयों में, अन्य बातों के साथ-साथ, अवधारणाओं और परिभाषाओं को अंतिम रूप देना, सर्वेक्षण पद्धति और उपकरणों की तैयारी, प्रतिदर्श डिजाइन और आकलन पद्धति के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना, सर्वेक्षण परिणामों को अंतिम रूप देना और रिपोर्ट जारी करना शामिल है। टीईजी के समग्र मार्गदर्शन के अंतर्गत घरेलू आय सर्वेक्षण के लिए सर्वेक्षण पद्धति और सर्वेक्षण उपकरणों का विकास शुरू कर दिया गया है।

*****